



STEPPING STONE  
SCHOOL (HIGH)

**CLASS :9**

**Subject:** Hindi Language

**Date:** 10.06.20

**Topic:** comprehension

**Limit:** 40mins

## ***Worksheet No.:16***

*[Copy the questions and solve them on a sheet of paper date wise. Keep the worksheets ready in a file to be submitted on the opening day.]*

एक बार जयपुर के राजा मानसिंह, जो कि मुगलों के अधीन थे, महाराणा प्रताप से मिलने आये। राजा मानसिंह का खूब आदर-सत्कार हुआ, किन्तु महाराणा प्रताप ने स्वयं उनके साथ भोजन न किया। यह व्यवहार मानसिंह को खटक गया और वह यह कहकर चले गये कि मेरा नाम मानसिंह नहीं जो मैं इस अपमान का बदला न लूँ।”

महाराणा ने अब शेर के मुँह में हाथ डाल दिया था। मानसिंह ने अपने अपमान की सारी कहानी आगरा जाकर अकबर को सुनाई। आग भड़क उठी। अकबर ने तुरन्त चढ़ाई करने की आज्ञा दी। राजा मानसिंह स्वयं एक बड़ी सेना लेकर मेवाड़ पहुँचे। उधर राणा ने हल्दीघाटी में मोर्चा लिया। अपनी तलवारों के वारों से मुगल सरदारों के छक्के छुड़ा दिये। वीर घोड़े चेतक पर राणा जिधर से निकलते, हाहाकार मच जाता, परन्तु राणा प्रताप के पास सेना कम थी और इसी कारण अन्त में उन्हें भागकर पर्वतों में शरण लेनी पड़ी। राणा के ये दिन बड़े संकट में थीते। वे कुतुम्ब सहित पहाड़ों में टक्करें खाते फिरे। कभी उनके बालकों को घास की रोटी खाकर रह जाना पड़ता था, कभी वह भी दुर्लभ हो जाती। एक बार राणा की लड़की भूख से तड़प रही थी। रानी जैसे ही उसे रोटी का टुकड़ा देना चाहती थी कि एक वनबिलाव उस टुकड़े को उठाकर ले गया और कुछ खाने को न था। लड़की रोने लगी। राणा यह देख न सके और उन्होंने अकबर को एक सन्धि-पत्र भेजा और उसमें सन्धि करने की इच्छा की। जब यह पत्र अकबर के राजदरबार में पहुँचा, तब वह खुशी से फूला न समाया। मुगल सेना में आनन्द के बाजे बजने लगे।

**प्रश्न—**(i) राजा मानसिंह कौन थे ? वह किससे मिलने आये थे ?

(ii) वह राणा प्रताप से क्यों नाराज हो गये ?

(iii) राजा मानसिंह ने अपने अपमान का बदला कैसे चुकाया ?

(iv) युद्ध में हार जाने के बाद राणा प्रताप को किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा ?

(v) महाराणा प्रताप अकबर से सन्धि करने के लिए क्यों तैयार हो गये ?